विशेष नोट : इस वेबपेज को जिलाधिकारी मुजफ्फरनगर के आदेश पर प्रदर्शित किया गया । इसमें दिया गया समस्त विवरण श्री राजपाल सिंह चौहान, युवा देह दान समाज सेवी संस्था मन्सूरपुर द्वारा दिया गया है । नीचे दिये गये प्रत्येक कथन के लिये विधिक तौर पर श्री राजपाल सिंह चौहान, युवा देह दान समाज सेवी संस्था मन्सूरपुर जिम्मेदार हैं ।

युवा देह दान समाज सेवी संस्था

ग्राम खानुपुर, पोस्ट–मन्सूरपुर, जिला मुजफ्फरनगर
उत्तर प्रदेश पंजीकरण संख्या–405

राजपाल सिंह चौहान	धर्मपाल त्यागी	दीपांशु	मनोज कुमार	मोहदेवी	सुमन	विश्वनाथ प्रताप
(संस्थापक)	*(उप संस्थापक)*	*(अध्यक्ष)*	*(सलाहकार)*	*(कोषाध्यक्ष)*	*(उपाध्यक्ष)*	*(उप सलाहाकार)*
मो0–8958493725	मो0–9997646136	मो0–8958493725	मो0–8273779564	मो0–975681483	मो0–8410017312	मो0–9719756326

इस संस्था द्वारा निम्न समाज सेवा के कार्य किये जाते हैः–

1– संस्था अन्धों की पुतली लगवाने का पुण्य कार्य करना।

2– संस्था द्वारा विधानसभा, लोकसभा निर्वाचन के दौरान सामाजिक समरसता बढ़ाने तथा शान्ति स्थापित करने का विलक्षण कार्य।

3– संस्था पेड़–पौधों को पानी देने का कार्य करती है।

4– संस्था कांवड मेले के दौरान प्रतिवर्ष निःशुल्क शिविर लगाती है व कावडियों की सेवा प्रदान की जाती है।

5– संस्था गाँव–गाँव में जाकर भाई–चारा बढ़ाना, गरीबों की मदद करना, रमजान के पाक महीने में भाई–चारे को बढ़ाना व शान्ति व्यवस्था बनाने का कार्य करती है।

संस्था द्वारा अब तक किये गये कार्यों का विवरणः–

1– स्व0 इन्दु चौहान धर्मपत्नि राजपाल सिंह ने सन्–1999 में गुर्दा दान किया और 2007 में नेत्र दान किया।

2– सन् 2011 में स्व0 श्रीमति चम्पा देवी जी ने नेत्र दान किये।

3– श्री राजपाल सिंह व उनके परिवार (हिमांशु, दीपांशु) ने अपना शरीर मेडिकल कॉलेज में दान देने के लिये वचनबद्ध है जिससे देश को साइन्स में तरक्की मिल सके और सम्पूर्ण समिति नेत्र दान का भी संकल्प लिया है।

प्रेरणा स्त्रोत मा0 हरपाल सिंह राज पब्लिक स्कूल मन्सूर 9412476634

4– अगर कोई व्यक्ति मरने के उपरान्त अपनी आंखें व किडनी या शरीर का कोई भी अंग, किसी को देकर, किसी को नया जीवन दे सकते हो।

5– अगर कोई व्यक्ति किसी दूसरे व्यक्ति को अपने शरीर का कोई अंग दान करता है, तो भारत सरकार व भारत का हर नागरिक दान देने वालों को सम्मान व हर तरह की मदद करने के लिये वचन बद्ध है।

कलियुग के दधीचि बन गये राजपाल

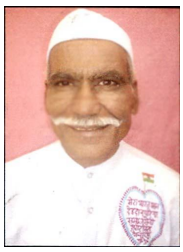

- मेडिकल छात्रों को परीक्षण के लिये दान किया शरीर।
- पत्नी इंदू ने भी दान की थी एक आंख व किडनी।
- कालेज प्राचार्य को सौंपा देह दान का शपथ पत्र।

मंसूरपुर : कलियुग में भी महर्षि दधीचि जैसे लोगों की कमी नहीं है। डीसीएम शुगर मंसूरपुर के कर्मचारी राजपाल सिंह चौहान ने मुजफ्फरनगर मेडिकल कालेज बेगराजपुर के छात्रों को अध्ययन के लिये मरने के बाद अपना शरीर दान करने की घोषणा की है। इसके लिये राजपाल ने मेडिकल कालेज के प्राचार्य को एक शपथ पत्र दे दिया। इससे पूर्व इनकी पत्नी इंदू ने भी अपनी एक आंख व किडनी दान की थी।

प्राचीन समय में राक्षसों का संहार करने के लिये महर्षि दधीचि ने वज्र बनाने के लिये अपने प्राणों का त्याग कर अपनी हड्डियां दान की थीं, जिससे देवताओं ने मानव कल्याण के लिये राक्षसों का संहार किया था। कलियुग में भी राजपाल ऐसे लोगों की कमी नहीं है। डीएसएम शुगर मंसूरपुर के कर्मचारी राजपाल सिंह चौहान ने 14 जून 2009 को मरने के बाद अपने शरीर को मुजफ्फरनगर मेडिकल कालेज बेगराजपुर के छात्रों के अध्ययन के लिये दान देने की घोषणा की थी।

शुक्रवार को राजपाल सिंह ने मुजफ्फरनगर मेडिकल कालेज के प्राचार्य डा0 शिशिर रंजन अरोरा के सामने अपनी देह दान संबंधी शपथ पत्र दे दिया तथा कालेज ने भी उसकी अपील को स्वीकार कर उसे प्रमाण पत्र दे दिया। शपथ पत्र सौंपते समय उसके साथ कर्मचारी सुभाष चन्द शर्मा, वेदप्रकाश, राकेश कुमार शर्मा, सम्राट, किशनपाल शर्मा, सुरेन्द्र शर्मा, विनोद कुमार भी उपस्थित थे। इससे पहले राजपाल सिंह की पत्नी इंदू ने अपनी दोनों आंख व किडनी दान कर दी थी। इंदू की मृत्यु 18 जुलाई 2008 को हो चुकी है। इस संबंध में राजपाल सिंह का कहना है कि मानव कल्याण के लिये अपनी दिवंगत पत्नी से प्रेरित होकर उसने मरने के बाद अपने शरीर को मेडिकल छात्रों के अध्ययन के लिये दान किया है। जिससे मेडिकल के छात्र नई–नई बीमारियों की खोज कर उनकी रोकथाम के उपाय कर सकें। मेडिकल के प्राचार्य डा0 शिशिर रंजन अरोरा का कहना है कि राजपाल सिंह मेडिकल कालेज को देहदान करने वाला पहला व्यक्ति है। उनका कहना है कि टिटौली, (शामली) के एक व्यक्ति ने भी देहदान के संबंध में कालेज को पत्र भेजा है।

1. मुझे तो अंधेरे से डर लगता है, मैं तो पत्थर के समान हूं
   कोई तो ऐसा हो दुनिया में जो मुझे उजाला दे।
   प्रभु ने आपको दो चिराग दिये, जाते समय मुझे तो एक चिराग दे दो
   जो सदा मैं आपको याद करूं।।

2. मित्र सरीका कौन है, इस दुनिया में मर्द।
   बांट सके जो दर्द को बनकर के हमदर्द।।
3. मीत बनो तो यूं बनो, जैसे शिव और राम।
   एक दूजे का रात दिन, जये निरन्तर नाम।।
4. पेड की शाखा पर बैठा पंछी कभी भी इसलिये नहीं डरता की डाल हिल रही है।
   क्योंकि डाली में नहीं अपने पंखों पर भरोसा करता है।

समिति आपके करकमलों में अपनी करती है कि यह समिति एक बहुत ही गरीब समिति है धन का अभाव होने के कारण, समाज हित के कार्यों को लेकर वो चली है अब आप पर ही निर्भर है। उद्योगपति, देख के जांबाज़, अधिकारी, साहूकार, डाक्टर, कर्मचारी या आम आदमी सहयोग दें।

–धन्यवाद

6– सन् 1999 से अब तक अधिकारियों ने संस्था जो प्रेरणा दी व मान सम्मान दिया, भारत सरकार ने इस प्रेरणा को देखकर सभी को सम्मान देने का निर्णय लिया। भारत सरकार हर नागरिक से उम्मीद करती है कि इन समान सेवी कार्यों को अपनाए व प्रोत्साहन दें।

8. **आँख**– आँख खराब नहीं होती। मृत्यु के पश्चात् भी आंख को दान देकर दूसरे के जीवन को ज्योतिमय बनाया जा सकता है। अंधे को अंधेपन से बचाया जा सकता है।
9. **पेड़–पौधे**– अमूल्य निधि है। इससे छाया, सौन्दर्य, फल की प्राप्ति होती है। पेड़ वायु में व्याप्त ऑक्सीजन की मात्रा को प्रदूषित होने से बचाता है। पेड सूख जाने पर भी जलाने पर ऊर्जा, ऊष्मा को प्रदान करते हैं। पेड़ से औषधि की प्राप्ति होती है।
10. **कांवड़ यात्रा सेवा** – कावड यात्रा में अनासक्त भाव से कावड यात्रियों का सेवा करना।
11. **सौहार्द वातावरण में सहयोग**– सेवा भाव से क्षेत्र में भाई–चारा कायम बना रहने के लिये निरन्तर कार्य करते रहते हैं। इनके साथ साथ समिति के सदस्यों ने भी क्षेत्र में सौहार्द्र पूर्ण वातावरण बनाये रखने के लिये कार्य करते हैं।

उजाला हो जिसमें कि समिति को श्रीमान राष्ट्रीय ए0पी0जे0 अब्दुल कलाम ने सन् 1999 में सम्मानित किया।

12. सन् 2014 में श्री राजपाल सिंह व सम्पूर्ण समिति को देहदान हेतु राष्ट्रपति प्रणव मुखर्जी द्वारा सम्मानित किया गया।
13. इसी वर्ष माननीय नरेन्द्र मोदी जी ने श्री राजपाल सिंह, समिति व समस्त क्षेत्रवासियों को उनके द्वारा कृत कार्य को सम्मानित किया गया।
14. सन् 2012 में श्रीमान मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ0 जौहरी द्वारा श्री राजपाल सिंह व समिति को सम्मानित किया गया।
15. सन् 2014 में श्रीमति मंझिल सैनी (आई0पी0एस0) द्वारा सम्मानित किया गया।
16. सन् 2014 में जिलाधिकारी महोदय सुरेन्द्र सिंह जी ने अपने आवास पर बुलाकर श्री राजपाल सिंह व उनकी समिति को फूलों की माला पहनाकर सम्मानित किया।

17. सन् 2013 में एस0ओ0 मन्सूरपुर श्रीमान योगेश कुमार शर्मा द्वारा श्री राजपाल सिंह व उनकी समिति को सम्मानित किया गया।
18. श्रीमान जिलाधिकारी कौशलराज शर्मा (सन् 2015) द्वारा श्री राजपाल सिंह व उनकी समिति को देश में प्रकाश देने के लिए सम्मानित किया गया।
19. सन् 2012 श्रीमान कमलेश कुमार यादव (प्रबन्ध आचार्य सर शादीलाल इण्टर कॉलेज, मन्सूरपुर) द्वारा श्री राजपाल सिंह जी व उनकी समिति को सम्मानित किया गया।
20. श्रीमान सुबोध कुमार (मुख्य चिकित्साधिकारी, मु0नगर) द्वारा श्री राजपाल व उनकी समिति को अच्छा कार्य करते हुए देख सम्मानित किया व श्रीमान थानाध्यक्ष आनन्द प्रकाश मिश्रा थाना मन्सूरपुर, मु0नगर ने भी सम्मानित किया।

उपरोक्त अधिकारीगण समिति को सम्मान देने वालों की सूचीः–

21. श्रीमान विजय कुमार गोयल (एम0डी0), श्रीमान गौतम कुमार गोयल (एम0डी0), डा0 अशोक कुमार (बी0पी0), सुरेन्द्र शर्मा (जी0एम0), राजीव तिवारी (चीफ इंजीनियर), डी0एस0एम0, मंसूरपुर, मु0नगर
22. श्रीमान संदीप शर्मा (डी0एस0एम0यू0पी0) साहब, श्री संजय शर्मा (वाईस पी0 साहब),
23. डा संजीव शर्मा, (आफिसर पी0ए0), श्रीमान हरिनारायण, (एस0एस0पी0 साहब)
24. श्रीमान बच्चन सिंह थानाध्यक्ष, मंसूरपुर, श्रीमान महेशचन्द शर्मा थानाध्यक्ष, मंसूरपुर
25. श्री संदीप मित्तल, श्री धर्मेन्द्र सिंह चीफ इंजीनियर, श्री दिनेश कैन मैनेजर, श्री प्रमोद चौहान (जी0एम0)

देश में घर–घर में प्रकाश देने वाली समिति मोहनदय कोषाध्यक्षः– बिजेन्द्र, सुशील, धर्मवीर, श्रीमती सावित्री, राजपाल प्रेमी, अजित सिंह, संतोष सैनी, रामकुमार, विजय राठी, दुलिचन्द, मनोज कुमार, डालचन्द, श्रीमती, संगीता, राजेश कुमार, संयासी कुमार, बिजेन्द्र सूमन, श्रीमती ओमबती, श्रीमती रामरती, श्रीमती शिमला, निसार मियां, सोनू, राजिन्द्र, शिवकुमार, मनोज, चन्दपाल, श्रीमती सुरेश देवी, विश्वनाथ प्रसाद, ऋषि कुमार, बालिन्द्र, धर्मवीर, महीपाल सिंह, फोरमैन, प्रदीप कोशवाल, सुमित्रा कोशवाल, मोहन देई, महेश चन्द सैनी, गुलाइवी देवी, महंत यादव, मुमताज अली, शम्भू, सुरेन्द्र सिंह फौरमेन, व्यास मुनि इंजार्च, पुष्पेन्द्र भागला, राजू, अनिता, अनुज, करन सिंह, रानी, सोनू, राजबीर सिंह, गोरवनाथ, चन्द्रपाल, राजबीरी, सीताराम, श्रीमती फूल समुन्द्री, श्रीमती मनसा देवी, हिमांशु चौहान, पूजा चौहान, नत्थन आदि

श्री राजपाल सिंह व इनकी समिति के अन्य भी कई कार्य है जो देश की शान में चार चांद लगाते है और जिनको कभी भुलाया नही जा सकता।

इस पृथ्वी पर जितने जीव जन्तु है वे सभी भोजन खाते है सोते हैं जागते है सन्तानों उत्पयत्रित करते है लेकिन मनुष्य इन जीवों में अपनी बुद्धि के बल पर श्रेष्ठ है। इसलिये मनुष्य को श्रेष्ठ कर्म करना चाहिये। देहदान कर मनुष्य की ज़िन्दगियां जीता है।

अंगदान कर दूसरों को ज़िन्दगी दे बन महादानी
अपने स्वार्थ में अपने लिये ज़िन्दगी को बर्बाद कर मत बन अज्ञानी।

श्रीमान पुष्पेन्द्र भागरा (लेखक) ने हम सभी को प्रेरणा दी व सम्मान करना सिखाया।

श्री माननीय मुख्यमंत्री अखिलेश कुमार जी उत्तर प्रदेश सरकार।

श्री माननीय जिलाधिकारी दिनेश कुमार सिंह जी, मुजफ्फरनगर।

उप–जिलाधिकारी श्रीमति प्रियंका निंरजन।

2015 में सम्मान्नित किया 15 अगस्त को श्री वेदपाल सिंह मलिक C.G.M.

प्रोडक्शन मैनेजर श्री आशिष शर्मा जी।
रविन्द्र चौहान सीनियर मैन्यूफेक्चर।
राजकुमार मुंशी (थाना मंसूरपुर)
वरिष्ठ पुलिस अधिक्षक दीपक कुमार (मुजफ्फरनगर)।